

रजिस्ट्रार नं० ल०-३३/एस० एम० १४.



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, ८ जुलाई १९८९/१७ अगस्त, १९११

हिमाचल प्रदेश सरकार

Numbering: 100001 to 499999

Series: F, G, H, J & K.

HIMACHAL PRADESH STATE LOTTERIES

HIMACHAL WEEKLY

Result of 47th draw held at Shimla on 22-6-1989 in the presence of Judges.

First Prize : (1) Rs. 5,00,000/-
(Common to all series).

J-493678

Second Prize : (2) Rs. 25,000/- each
(Preceding and succeeding number
of First Prize in the same series).

J-493677

J-493679

१४१२-राजपत्र/८९-१०-७-८९-१,२४८.

(1661)

मूल्य: १ रुपया ।

Third Prize: (4) Rs. 5,000/- each (Same number of First Prize in other series).	H-493678 F-493678 G-493678 K-493678 93687
Fourth Prize: (15) Rs. 1,000.00 each (Last five digits of First Prize).	93687
Fifth Prize: (180) Rs. 500.00 each (Last four digits of First Prize).	3678
Sixth Prize: (1800) Rs. 50.00 each (Last three digits of First Prize)	678
Seventh Prize: (18000) Rs. 20.00 each (Last two digits of First Prize)	78
Eighth prize: (180000) Rs. 15.00 each (Last one digit of First Prize)	8
Ninth Prize: (400000) Rs. 5.00 each (Preceding and succeeding number of last digit of First Prize).	7 & 9

The Directorate of State Lotteries will not be responsible for any mistake in printing. All ticket holders are advised to check the numbers in the State Gazette. For preferring claims of prizes, please follow instructions on the reverse of the lottery tickets.

HIMACHAL WEEKLY

DRAW ON EVERY THURSDAY

NEXT DRAW ON 29-6-89

For terms and conditions of Lottery Agency, please contact our Organising Agent:—

M/S IQBAL CHAND KHURANA,
B-56, LAJPAT NAGAR-I, NEW DELHI.

SHIMLA-171 002:
The 22nd June, 1989.

Sd/-
Deputy Director,
H. P. State Lotteries.

Numbering: 100000 to 349999
Series: GJ, GK, GL, GM.

HIMACHAL PRRADESH STATE LOTTERIES

GOLDEN WEEKLY

Result of 60th draw held at Shimla on 23-6-1989 in the presence of Judges.

First Prize: (1) Rs. 2,00,000.00
(Common to all series).

GL-179404

Second Prize: (1) Rs. 5,000.00
(Same number of the First Prize in the next series).

GM-179404

Third Prize: (98) Rs. 250.00 each
(Last four digits of the First Prize number applicable to all series).

9404

Fourth Prize: (900) Rs. 50.00 each
(Last three digits of First Prize number applicable to all series).

404

Fifth Prize: (99000) Rs. 35.00 each
(Last one digit of First Prize number applicable to all series).

4

The Directorate of State Lotteries will not be responsible for any mistake in printing. All ticket holders are advised to check the numbers in the State Gazette. For preferring claims of prizes please follow instructions on the reverse of the lottery tickets.

**GOLDEN WEEKLY
DRAW ON EVERY FRIDAY**

NEXT DRAW ON 30-6-1989 AT 3.00 P. M.

First Prize: (1) Rs. 2,00,000.00

Second Prize: (1) Rs. 5,000.00

AND THOUSANDS OF OTHER ATTRACTIVE CASH PRIZES

For terms and conditions of Lottery Agency, please contact our Organising Agent:—

**M/S MARWAH AGENCY,
R-831, NEW RAJINDER NAGAR,
(OPP. R-BLOCK TAXI STAND),
NEW DELHI.**

**SHIMLA-171 002:
The 23rd June, 1989.**

**Sd/-
Deputy Director,
H. P. State Lotteries.**

सिचार्ड एवं जन स्वास्थ्य विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 10 अप्रैल, 1989

संख्या पी0 डब्ल्यू0 (पी0 एच0) 6 (2) 8/82.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल माइनर कैनाज ऐक्ट, 1976 (1976 का 42) की धारा 68 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए हिमाचल प्रदेश माइनर कैनालज, रूलज, 1977 की और संशोधित करने के लिए जितका उक्त अधिनियम की धारा 68 की उप-धारा (3) के अधीन यथा अपेक्षित सरकार की अधिसूचना संख्या पी0 डब्ल्यू-6(2)-8/82 तारीख 29-6-88 द्वारा

तारीख 16-7-1988 के राजपत्र (अमाधारण) हिमाचल प्रदेश में पूर्व प्रकाशन किया जा चुका है, निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम.—इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश लघु (माइनर) कनाल्ज (संशोधित) नियम, 1989 है।

2. नियम 21 का संशोधन :—In sub-rule (2) of rule 21 of the Himachal Pradesh Minor Canals Rules, 1977 for the figure "3", the figure "20" shall be substituted.

आदेश द्वारा,
ए० के० महापात्रा,
आयुक्त एवं सचिव।

[Authoritative English text of Government Notification No. P. W. (PH) 6 (2) 8/82, dated the 10-4-1989 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

IRRIGATION AND PUBLIC HEALTH DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 10th April, 1989

No. PW (PH) 6 (2) 8/82.—In exercise of the powers conferred by section 68 of the Himachal Pradesh Minor Canals Act, 1976 (Act No. 42 of 1976), the Governor, Himachal Pradesh is pleased to make the following rules, to amend the Himachal Pradesh Minor Canals Rules, 1977, the same having been previously published, in the Rajpatra Himachal Pradesh (Extra-ordinary) dated 16-7-1988, vide Government notification No. PW-6 (2)-8/82 dated 29-6-1988, as required under sub-section (3) of section 68 of said Act, namely :—

1. *Short title.*—These rules may be called the Himachal Pradesh Minor Canals (Amendment) Rules, 1989.

2. *Amendment of rule 21.*—In sub-rule (2) of rule 21 of the Himachal Pradesh Minor Canals Rules, 1977 for the figure "3", the figure "20" shall be substituted.

By order,
A. K. MOHAPATRA,
Commissioner-cum-Secretary.

राजस्व विभाग

(स्टाम्प रजिस्ट्रेशन)

अधिसूचना

शिमला-2, 10 अप्रैल, 1989

संख्या रैक 1-3 (स्टाम्प) 6/80.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश में यथा लागू भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उप-धारा (1) के खण्ड (क) द्वारा

प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश सरकार के पब्लिक सेक्टर उपक्रम तथा स्वायत्त निकाय के कर्मचारियों द्वारा, ऐसे उपक्रम या निकाय के पक्ष में, अपने निवास-गृह के निर्माण या क्रय के लिए अनुदान गृह-निर्माण अग्रिम के प्रति संदाय को सुनिश्चित करने के लिए, निम्नादि बंधक निश्चिंतों पर प्रभावी मस्य स्टाम्प शुल्क की, समस्त हिमाचल प्रदेश में तुरन्त छूट प्रदान करते हैं।

आदेश द्वारा,
एम 0 एम 0 मुखर्जी,
सचिव।

[Authoritative English text of the Notification No. Rev. 1-3 (Stamp) 6/80 dated 10-4-1989 as required under Article 348 (3) of the Constitution of India].

REVENUE DEPARTMENT
(Stamp Registration)

NOTIFICATION

Shimla-2, the 10th April, 1989

No. Rev. 1-3 (Stamp) 6/80.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (Act No. II of 1899) as applicable to Himachal Pradesh, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to remit the entire Stamp duty chargeable on the mortgage instruments executed by the employees of the Himachal Pradesh Government Public Sector Undertakings and Autonomous Bodies in favour of such undertakings or bodies for securing the repayment of house building advance granted to them for the purpose of constructing or purchasing a dwelling house for their own, with immediate effect in the whole of Himachal Pradesh.

By order,
M. S. MUKHARJEE
Secretary.

पंचायती राज विभाग

कार्यालय आदेश

शिमला-2, 21 जून, 1989

संख्या पी 0 सी 0 एच 0-एच 0 ए 0 (5).—क्योंकि ग्राम पंचायत खड्डहल ने अपने प्रस्ताव संख्या 15 दिनांक 22-2-89 द्वारा यह सूचित किया है कि श्री ध्रुवदेव, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत, खड्डहल, ग्राम पंचायतों की बैठकों से लगाना अनुपस्थित रह रहे हैं जिसकी पुष्टि खण्ड विकास अधिकारी भवारना ने भी की है।

क्योंकि श्री ध्रुवदेव का कृत्य पंचायत की कार्यकुशलता में बाधक सिद्ध हो रहा है।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 की धारा 54 के अन्तर्गत श्री ध्रुव देव को कारण बताओ नोटिस देते हैं कि क्यों न उपरोक्त कृत्य के लिए उन्हें उनके पद से

निलम्बित किया जाए। उनका उत्तर इस नोटिस की प्राप्ति के एक माह के भीतर-भीतर उपायुक्त कांगडा के माध्यम से पहुंच जाना चाहिए अन्यथा यह समझा जाएगा कि वह अपनी सफाई में कुछ नहीं कहना चाहते तथा एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

शिमला-2, 24 जून, 1989

संख्या पी0सी0एच0-एच0ए0(5).—क्योंकि श्रीमती देवकू देवी, महिला पंच, ग्राम पंचायत आनी, विकास खण्ड आनी, जिला कुल्लू, विकास खण्ड अधिकारी आनी से प्राप्त सूचना अनुसार ग्राम पंचायत की बैठकों से 17-7-88, 17-8-88, 17-9-88 तथा 2-11-88 से 2-1-89 तक लगातार पंचायत बैठकों से अनुपस्थित रह रही है जैसा कि पंचायत ने अपने प्रस्ताव संख्या 2, दिनांक 2-1-89 में अंकित किया है।

और क्योंकि श्रीमती देवकू, महिला पंच का यह कृत्य पंचायत की कार्यकुशलता में बाधक सिद्ध हो रहा है।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 की धारा 54 जिसे ग्राम पंचायत नियमावली, 1971 के नियम 77 के साथ पढ़ा जाता है श्रीमती देवकू देवी, महिला पंच, ग्राम पंचायत आनी, जिला कुल्लू का निलम्बनार्थ कारण बताओ नोटिस देते हैं कि क्यों न उपरोक्त कृत्य के लिए उनको पद से निलम्बित किया जाए। उनका उत्तर इस नोटिस की प्राप्ति के एक माह के भीतर-भीतर उपायुक्त, कुल्लू के माध्यम से पहुंच जाना चाहिए अन्यथा एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

शिमला-2, 24 जून, 1989

संख्या पी0सी0एच0-एच0ए0(5) 322/76.—क्योंकि श्री हुकमगीर, पंच, ग्राम पंचायत गडेच, विकास खण्ड निरमण्ड, जिला कुल्लू के विरुद्ध मुकाम थरमी, फाटी लोट, तहसील निरमण्ड में खसरा नं0 827 के साथ तृतीय श्रेणी फॉरेस्ट में 3-15 बीघा भूमि पर नाजायज कब्जा करने का मामला 3-1-82 को नोटिस में सामने आया तथा सरकारी भूमि पर उक्त पंच ने अपना नाजायज कब्जा 19-3-1987 तक नहीं उठाया था।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 की धारा 54 के अन्तर्गत जिसे ग्राम पंचायत नियमावली, 1971 के नियम 77 के साथ पढ़ा जाता है, श्री हुकमगीर पंच को नोटिस देते हैं कि क्यों न उपरोक्त कृत्य के लिए उन्हें उनके पद से निलम्बित किया जाए। उनका उत्तर इस नोटिस की प्राप्ति के एक माह के भीतर उपायुक्त, कुल्लू के माध्यम से पहुंच जाना चाहिए अन्यथा एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

शिमला-2, 24 जून, 1989

संख्या पी0सी0एच0-एच0ए0(5).—क्योंकि ग्राम पंचायत सौड़ी, विकास खण्ड नालागढ़, जिला सोलन ने अपने प्रस्ताव संख्या 2, दिनांक 8-2-89 द्वारा यह सूचित किया है कि श्री रामसरन, पंच 8-11-88 से 23-1-89 तक पंचायत बैठकों से अनुपस्थित रह रहे हैं जिसकी पुष्टि खण्ड विकास अधिकारी, नालागढ़ तथा जिला पंचायत अधिकारी, सोलन ने की है।

क्योंकि उक्त पंच का यह कृत्य ग्राम पंचायत के कर्तव्य पालन में बाधक सिद्ध हो रहा है।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 की धारा 54 के अन्तर्गत श्री रामसरन पंच को कारण बताओ नोटिस देते हैं कि क्यों न उपरोक्त कृत्य के लिए उन्हें उनके पद से निलम्बित किया जाए। उनका उत्तर एक माह के भीतर जिलाधीश, सोलन के माध्यम से पहुंच जाना चाहिए अन्यथा यह समझकर कि वह लगाए गए आरोपों को स्वीकारने हैं और उन्हें अपनी सफाई में कुछ नहीं कहना है, एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

हस्ताक्षरित:-

अवर सचिव।

कृषि विभाग

आदेश

शिमला-2, 3 मई, 1989

संख्या एस0एफ0-7 (2)/86-II—भारत सरकार कृषि मंत्रालय (उर्वरक विभाग) का0 आ0 संख्या 1162 (अ) दिनांक 12 दिसम्बर, 1988 को भारत के राजपत्र (असाधारण) भाग-2 खंड 3 उप-खण्ड (2) में प्रकाशित किया है को राज्य सरकार आम जनता हेतु दोबारा प्रकाशित किये जाने के आदेश करती है।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित:-

वित्तियुक्त (विकास) और कृषि सचिव।

भारत सरकार
कृषि मंत्रालय
उर्वरक विभाग

आदेश

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर, 1989

संख्या 10-42/88एम0 पी0 आर0—का0 आ0 1162 (अ).—आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उर्वरक (संचलन नियन्त्रण) आदेश, 1973 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात्:—

1. (1) इस आदेश का नाम उर्वरक (संचलन नियन्त्रण) (संशोधन) आदेश, 1988 है।

(2) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होगा।

2. उर्वरक (संचलन नियन्त्रण) आदेश, 1973 के खण्ड-2 में, मद (ख) के स्थान पर निम्नलिखित मद प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात्:—

(ख) 'उर्वरक' का वही अर्थ होगा जो उर्वरक (नियन्त्रण) आदेश, 1983 की धारा 2 की मद (ग) में दिया गया है परन्तु इसमें ये शामिल नहीं होंगे:—'बोनमील कच्चा', 'बोनमील स्टीम्ड', 'राक फास्फेट', 'जिक

सल्फेट', 'मोनोज गल्फेट', 'थोरेक्स (सोडियम टेट्राथोरेट) (एन₇ बी₇ आ₇ 10 एच₃ आ₇)', 'मोनोक्लोर (एन ए₃ बी₇ आ₇ 5 एच₃ आ₇ एन ए₃ बी₁₀ आ₁₀ 10 एच₃ आ₇)', 'कापर सल्फेट (सी यू एम आ₄ 5 एच₃ आ₇)', 'फेरस सल्फेट (एफ इ एच आ₄ 7 एच₇ आ₇)', 'अमोनियम मोलियडेट (एन एच₄) 4 ए आ₇ आ₂₄ 4 एच₇ आ₇)', 'चे गेटेट ज़िंक, जो एन ई डी टी ए के रूप में और चलेटेड लौह एफ ई-ई डी टी ए के रूप में', जो उस आदेश की सूची में क्रमशः 1 (ख) (4), 1 (ग) (5), 1 (ख) (6) और 1 (च) (1) से (च) (9) पर दिए गए हैं।

टिप्पणी: उर्वरक (संचलन नियन्त्रण) आदेश, 1973 की घोषणा का. आ. 249 (ई) दिनांक 25 अप्रैल, 1973 द्वारा की गई थी। उर्वरक (संचलन नियन्त्रण) आदेश, 1973 की धारा 2 को निम्नलिखित में संशोधित किया गया था:—

- (1) का. आ. 409 (2) दिनांक 26 जुलाई, 1973
- (2) का. आ. 392 (ई) दिनांक 28 जुलाई, 1975
- (3) सा. का. नि. 351 (ई) दिनांक 9 अप्रैल, 1985
- (4) सा. का. नि. 2 (ई) दिनांक 1 जनवरी, 1986

बी० के० साहा,
संयुक्त सचिव, भारत सरकार।